प्रेस विज्ञप्ति

रायपुर, दिनांक 14 फरवरी, 2014

- दौलतराम शर्मा शासकीय महाविद्यालय, कसडोल के विद्यार्थियों ने विधानसभा की कार्यवाही का अवलोकन किया

- विधानसभा अध्यक्ष श्री गौरीशंकर अग्रवाल एवं मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह से भेंट की

-दौलतराम शर्मा शासकीय महाविद्यालय, कसडोल के विद्यार्थियों एवं अध्यापकों ने आज विधानसभा की कार्यवाही का अवलोकन किया। कार्यवाही अवलोकन पश्चात् इन्होने विधानसभा भवन स्थित समिति कक्ष में विधानसभा अध्यक्ष श्री गौरीशंकर अग्रवाल एवं मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह से भेंट की। इस अवसर पर विधानसभा के प्रमुख सचिव श्री देवेन्द्र वर्मा भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने उद्‌बोधन में विधानसभा अध्यक्ष श्री गौरीशंकर अग्रवाल ने कहा कि-छत्तीसगढ विधानसभा ने उच्च संसदीय परंपराएं स्थापित की हैं। यह देश की ऐसी विधानसभा है जहां नक्सली समस्या पर **क्लोज डोर मीटिंग** हुई एवं इस **क्लोज डोर मीटिंग** में मान. सदस्यों ने लगभग 8 घंटे तक चर्चा की। यहां सभा के अंदर कभी भी मार्शल का प्रयोग नहीं किया गया। यहां के मान. स दस्यों ने स्वयं यह नियम बनाया है कि यदि वे सभा की कार्यवाही के दौरान गर्भगृह में प्रवेश करेंगे तो वे स्वमेव निलंबित हो जायेगें। उन्होने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभा के माध्यम से आम जनता के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित की जाती है। बजट सभा के माध्यम से सभा के पटल पर रखा जाता है, प्रतिपक्ष इसमें कटौती प्रस्ताव रखता है, बजट पर विभागवार चर्चा होती है तब इसे बहुमत या ध्वनिमत से पारित किया जाता है। श्री अग्रवाल ने कहा कि-अध्यक्ष किसी दल का नहीं होता है अध्यक्ष की भूमिका निष्पक्ष होती है और उसी के अनुरूप अध्यक्ष सभा का संचालन करता है। उन्होने युवाओं से आग्रह किया कि वे लक्ष्य निर्धारित कर

ईमानदारी से प्रयास करें तो उन्हें अवश्य सफलता प्राप्त होगी।

विधानसभा के प्रमुख सचिव श्री देवेन्द्र वर्मा ने विधानसभा की प्रक्रिया एवं कार्य-संचालन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि-प्रदेश की सर्वोच्च पंचायत में जनता के चुने हुए प्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं को उठाकर शासन की जवाब देही सुनिश्चित करते हैं। यद्यपि वर्ष में विधानसभा की लगभग 50 से 60 बैठकें होती हैं लेकिन सभा अपने सदस्यों के माध्यम से विभिन्न समितियां बनाकर कार्यपालिका पर प्रभावी नियंत्रण करती है।

अंत में महाविद्यालय के प्राध्यापक श्री घनश्याम प्रसाद यदु ने आभार व्यक्त किया ।